श्रीमन् नारायण

रागम्: बौळि ताळम्: आदि

(श्री अन्नमाचार्य विरचित)

पल्लवि

श्रीमन् नारायण श्रीमन् नारायण
श्रीमन् नारायण नी श्रीपादमे शरणु

चरणम्

कमलासति मुखकमल कमलहित

कमलप्रिय कमलेक्षणा

कमलासनहित गरुडगमन श्री
कमलनाभ नी पदकमलमे शरणु ॥ १ ॥

परम योगिजन भागधेय श्री

परमपुरुषा परात्परा

परमात्मा परमाणुरूप श्री
तिरुवेङ्कटगिरिदेवा शरणु ॥ २ ॥

◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇